

जन सुनवाई का कार्यवाही विवरण

भारत सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 व इसकी संशोधित अधिसूचनाओं में वर्णित प्रावधानों के अंतर्गत प्रस्तावित खनन परियोजना मैसर्स तिरुपति स्टोन सप्लायर्स, रेफरेन्स नं. 2023100000100580, खसरा नं. 821/49 एवं 656/45, गांव-तंवरा, तहसील-लाडनू, जिला-डीडवाना-कुचामन (राजस्थान) क्षेत्रफल 1.0561 हेक्टेयर, प्रस्तावित खनन क्षमता -308916 टीपीए (रोम) {विक्री योग्य खनिज-215654.4 टीपीए, मुर्रम- 65,370 टीपीए और अपशिष्ट- 30,891.6 टीपीए}, जो कि चेजा पत्थर एवं मुर्रम (अप्रधान खनिज) खनन क्लस्टर परियोजना {क्लस्टर क्षेत्रफल 6.0194 हेक्टेयर, कुल क्लस्टर उत्पादन क्षमता 8,24,156 टीपीए (रोम)} में स्थित है में चेजा पत्थर एवं मुर्रम की पर्यावरण स्वीकृति हेतु जनसुनवाई जिला कलक्टर नागौर के प्रतिनिधि श्री महेन्द्र कुमार गीणा, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, (मु.) डीडवाना-कुचामन की अध्यक्षता में एवं श्री राजकुमार गीणा, क्षेत्रीय अधिकारी, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, नागौर की उपस्थिति में सभागार, अटल सेवा केन्द्र, ग्राम पंचायत- तंवरा, तहसील- लाडनू, जिला- डीडवाना-कुचामन (राजस्थान) में दिनांक 19.03.2025 को दोपहर 12:00 बजे आयोजित की गई। उक्त क्लस्टर क्षेत्र में आने वाली खनन इकाईयों का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	खनन इकाई का नाम	एम.एल. नम्बर/ रेफरेन्स नम्बर	खनन इकाई का क्षेत्रफल
1.	मैसर्स तिरुपति स्टोन सप्लायर्स	रेफ. नं.: 2023100001400580	1.0561
2.	मैसर्स वालाजी स्टोन सप्लायर्स	एम.एल.नं.: 35/2014	1
3.	मैसर्स वालाजी स्टोन सप्लायर्स	एम.एल.नं.: 248/2009	1
4.	श्री मोहित शर्मा	एम.एल.नं.: 13/2020	1.0596
5.	मैसर्स ढाका माईनिंग एण्ड सप्लायर्स	एम.एल.नं.: 59/2019	1.9037

जन सुनवाई में उपस्थित व्यक्तियों का विवरण मय हस्ताक्षर परिशिष्ट "अ" पर संलग्न है। जनसुनवाई वास्तविक विज्ञप्ति दिनांक 06.02.2025 को समाचार पत्र 'द इंडियन एक्सप्रेस' एवं 'दैनिक नवज्योति' में प्रकाशित करवाई गई थी, जिसकी प्रतियाँ परिशिष्ट "ब" पर संलग्न हैं।

वैठक की कार्यवाही प्रारम्भ करते हुए क्षेत्रीय अधिकारी, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, नागौर ने सभी आगुन्तकों का स्वागत करते हुए अवगत करवाया कि उक्त जनसुनवाई भारत सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 व इसकी संशोधित

M

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल
नागौर (राजस्थान)

60

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट
डीडवाना-कुचामन

अधिसूचनाओं में वर्णित प्रावधानों के अंतर्गत क्षेत्रीय कार्यालय, नागौर द्वारा आयोजित की जा रही है, जिसमें जिला कलक्टर महोदय की तरफ सूचना दो समाचार पत्रों में 30 दिवस पूर्व दी जा चुकी है। क्षेत्रीय अधिकारी महोदय द्वारा उपस्थित जनसमुदाय को बताया गया कि उक्त खनन परियोजना से सम्बन्धित सम्पूर्ण जानकारी खनन परियोजना के पर्यावरणीय तकनीकी सलाहकार द्वारा दी जायेगी। सभी जानकारी को ध्यानपूर्वक सुनने के पश्चात उपस्थित आमजन खनन परियोजना के सम्बन्ध में आपत्ति या सुझाव दर्ज करवा सकते हैं। उक्त जनसुनवाई की विडियोग्राफी भी करवाई जा रही है। जनसुनवाई विडियोग्राफी एवं दिये गये आक्षेप/सुझाव क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा राज्य स्तरीय पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन प्राधिकरण (SEIAA) को प्रेषित कर दिये जायेंगे। इसके पश्चात अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट महोदय की अनुमति से प्रस्तावित परियोजना के सम्बन्ध में विस्तृत प्रस्तुतिकरण हेतु मैसर्स तिरुपति स्टोन सप्लायर्स के पर्यावरणीय तकनीकी सलाहकार मैसर्स वाईब्रेंट टेक्नो लेब प्राईवेट लिमिटेड को आमंत्रित किया गया।

परियोजना के पर्यावरणीय तकनीकी सलाहकार मैसर्स वाईब्रेंट टेक्नो लेब प्राईवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि द्वारा खनन परियोजना का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया जिसके अन्तर्गत बताया गया कि उक्त खनन परियोजना में खनिज— चेजा पत्थर एवं मुरम का खनन प्रस्तावित है, जिसका रेफरेन्स नं. 2023100000100580, खसरा नं. 821/49 एवं 656/45, कुल खनन क्षेत्रफल 1.0561 हेक्टेयर तथा उत्पादन क्षमता — 3,08,916 टीपीए (रोम) {विक्री योग्य खनिज- 2,15,654.4 टीपीए, मुरम- 65,370 टीपीए और अपशिष्ट- 30,891.6 टीपीए Khasra No. 821/49 & 656/45 गांव—तंवरा, तहसील—लाडनूं, जिला—डीडवाना—कुचामन (राजस्थान), चेजा पत्थर एवं मुरम (अप्रधान खनिज) खनन क्लस्टर परियोजना {क्लस्टर क्षेत्रफल 6.0194 हेक्टेयर, कुल क्लस्टर उत्पादन क्षमता 8,24,156 टीपीए (रोम) } होगी। तत्पश्चात पर्यावरणीय सलाहकार ने खान की अवधि, खान का परिचय, खनन योजना, क्लस्टर परियोजना का विवरण मय नक्शा, खनिज भण्डार, खनन प्रक्रिया, जलवायु, जल बहाव, ढांचा और खनन गतिविधियों के द्वारा जैव विविधता, मिट्टी, पर्यावरणीय, वायु और ध्वनि पर्यावरण पर प्रभाव एवं उनके शमीकरण/रोकथाम के उपायों के बारे में बताया तथा साथ ही पर्यावरणीय मापदंडों की निगरानी कार्यक्रम एवं प्रस्तावित सामाजिक दायित्व (सी.एस.आर) के बारे में बताया।

खनन इकाई के पर्यावरणीय सलाहकार द्वारा खनन परियोजना की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवाने के पश्चात क्षेत्रीय अधिकारी महोदय द्वारा जनसुनवाई में उपस्थित समस्त जनसमूह को इस खनन परियोजना के सम्बन्ध में अपने आक्षेप/सुझाव/आपत्ति प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया।

सर्वप्रथम श्री मेघराज तंवर ग्राम तंवरा ने कहा कि किसी व्यक्तिगत या द्वेषपूर्ण शिकायत नहीं कर रहे हैं हम क्लस्टर के माईंस के मालिक को नहीं जानते। ग्राम तंवरा का

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान खनन विभाग नियंत्रण मण्डल
नागौर (राजस्थान)

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट
डीडवाना-कुचामन

पॉल्यूशन स्तर बहुत खराब हैं। ब्लारिंटिंग की आवाजें भी बहुत आती हैं। इनकी यूनिट्स बहुत चल रही है हमने बहुत शिकायतें दी हैं परन्तु कोई गांव के पास जो खनन हो रहा है तो गौघर में हो रहा है। यहाँ इस कस्बा गुप्ता की पहले से माईन्स, केशर चल रही हैं। यहाँ पर कोई पानी का फ़िश्कवाव नहीं होता तथा डम्परो की वजह से दुर्घटनाएं होती रहती है। हम पिछले 6 माह से प्रत्येक ऑफिस में गए परन्तु कहीं कोई सुनवाई नहीं होती है। यदि इस कलस्टर में सुधार होता है तो हमें कोई आपत्ति नहीं है यहाँ पिछले 30 सालों से माइनिंग हो रही है। परन्तु सत्यनारायण प्रजापत के अलावा किसी न भी एक पौधा नहीं लगाया। खनन विभाग नागौर को बार-बार शिकायतें देने पर भी कोई कार्यवाही नहीं की गई। जिससे जगह-जगह खनन किया जा रहा है। एवं लेबर्स को भी कोई मूलभूत सुविधाएं जैसे मेडिकल नहीं है। अभी कुछ दिनों पहले 3 लड़के गैस ब्लारट से मर गए एवं खानों में भी लेबर्स मिरने पर रागझौता करते। कोई लेबर रोप्टी भी नहीं है। कलस्टर अच्छा चलना चाहिए मॉनिटरिंग सिस्टम, लेबर्स रोप्टी, मेडिकल एवं संविधाएं हो तो कोई आपत्ति नहीं है। यहाँ का तालाब खोद खोद कर खत्म कर दिया गया। क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा उक्त खनन परियोजना के बारे में पर्यावरणीय सुझाव आपत्ति के लिए पूछा गया जिसके प्रत्युत्तर में श्री मेघराज तंवर ने कहा कि जो माइनिंग हो ही नहीं उसके बारे में क्या कहे, हम तो पूर्व में चल रही माईन्स की हालात बता रहे।

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट महोदय ने कहा कि इस कलस्टर में इन में सभी प्रस्ताव रखे गये हैं कि रोप्टी, पर्यावरण, पौधारोपण। तो पूर्व की माईंसो की भी जनसुनवाई हुई होगी उनकी भी यही शर्तें होगी, तो उन सब की पालना नहीं हो रही है जिसके लिए श्री मेघराज तंवर ने सहमति दी।

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट महोदय ने कहा कि ये प्रस्ताव इनके लिखित क्षेत्र का है अवैध खनन अलग विषय है। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट महोदय ने पर्यावरण सलाहकार महोदय को संबोधित करते हुए कहा कि आपके द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव में कुछ टेक्निकली विषय है आम ग्रामवासी नहीं समझ सकते अतः आप प्रस्ताव को थोड़ा सिम्पल रखें ?

क्षेत्रीय अधिकारियों द्वारा ग्रामवासियों से निवेदन किया गया कि अपने सुझाव आपत्ति प्रस्तुत करें।

सर्वेश कस्वा, निवासी तंवर लीज पार्टनर ने कहा कि ये लीज हमारी प्रथम लीज है, एवं स्वयं NIT कुरुक्षेत्र से Civil Engn. हूँ एवं Environment से M.E की है। मैं आप को विश्वास दिलाता हूँ कि पर्यावरण के लेकर जो भी आरोप लगाये जा रहे हैं सभी का ध्यान रखेंगे जिसकी पूर्व तैयारी की गई है। पौधारोपण, प्रदूषण मेसर्स, मॉनिटरिंग सेंसर जैसे अन्य सभी दायित्व पूरे किये जायेंगे।

4

क्षेत्रीय अधिकारी
समस्या का प्रारंभिक निवारण मण्डल
नागौर (राजस्थान)

56
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट
डोडवाना-कुचामन

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट महोदय ने ग्रामीणों द्वारा प्रस्तुत लिखित शिकायत पत्र की मौखिक प्रस्तुत करने हेतु निवेदन किया। जिससे श्री मेघराज तंवर, निवासी तंवर ने पहले निम्नानुसार बताया कि—

ग्राम पंचायत तंवर में पिछले 35 वर्षों से खनन कार्य अनवरत जारी है जिसके कारण ग्राम पंचायत तंवर के पर्यावरण व वातावरण में अत्यधिक बदलाव आ गया है और पर्यावरण बहुत प्रदूषित रहने लगा है तंवर के चारों तरफ केशर व खनन कार्य संचालित होने के कारण हवा में पुरे दिन डस्ट उड़ती रहती है, जिससे पंचायत में हवा में डस्ट उड़ती रहती है परिणामस्वरूप ग्राम में शिल्कोसिस टीबी, अस्थमा, एलर्जी व श्वास सम्बंधित कई तरह की बीमारियां होने लगी है अब ग्रामवासियों का दूषित हवा के कारण जीना मुश्किल हो रहा है।

मेसर्स तिरूपति स्टोन सप्लायर्स के मालिक अरुण करवा के स्वयं व परिवार के ग्राम पंचायत तंवर में पहले से 4 मेसेनरी स्टोन की खाने M.L. No. 35/2014,248/2009,20/2022,208/2009 व दो स्टोन क्रेशर मेसर्स करवा स्टोन क्रेशर खसरा नंबर 876/868, श्री बालाजी स्टोन क्रशिंग इंडस्ट्रीज खसरा नंबर 845/39,846/39 संचालित है जहां पर CTO,CTE E.C. के सभी नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है कृपया इनको नई EC,CTO CTE जारी किया गया था उन नियमों की शत प्रतिशत पालना हो रही है या नहीं इसकी जांच करके जन सुनवाई वाले दिन या उस से पहले ग्राम पंचायत कार्यालय व ग्रामवासियों के सामने अनिवार्य रूप से प्रस्तुत की जाये, अन्यथा इनके EC के प्रस्ताव को नामंजूर किया जाये।

उपरोक्त इकाईयों में न तो 33 प्रतिशत एरिया में ग्रीन बेल्ट विकसित किया है जबकि इनको खनन करते हुए 10 वर्षों से अधिक हो गये है, और ना ही पेड लगाये हैं ना पक्की सडक बनाई हुई लेबर के लिए कोई प्राथमिक उपचार की व्यवस्था नहीं है, ना रेस्ट रूम बनाये गये है, ना पीने के पानी उचित व्यवस्था है, ना सेफ्टी के लिए उपकरण दिए गये है, ना अपने खनिज पट्टे के बाहर सुचना पट्ट लगा रखा है, ना सीमांकन के लिए चारों तरफ पिल्लर बना रखें है, ना सुरक्षा के लिए उचित दिवार बना रखी है ना वाटर स्पाकलिंग लगा रखा है, और ना विंड वाल बना रखी है, जब तक ये सभी निगम ने पूरे नहीं करते तब तक इनको नई EC जारी ना की जाए।

ग्राम पंचायत तंवर में जो 6.019 हेक्टेयर का कलस्टर बनाया गया है उसके अंतर्गत आने वाली खनन लीजें ML No. 35/2014,248/2009,13/2020,59/2020 सभी EC व CTO के नियमों व शर्तों का उल्लंघन कर रहे है, इनको जिन नियमों के तहत EC व CTO जारी किये थे क्या ये सभी इन नियमों की शत प्रतिशत अनुपालना कर रहे है उसकी जांच कर जनसुनवाई वाले दिन या उससे पहले ग्राम पंचायत कार्यालय व ग्रामवासियों के

4

निवेदन मण्डल
नागौर (राजस्थान)

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट
डीडवाना-कुचामन

समक्ष अनिवार्य रूप से प्रस्तुत की जाये, अगर ये नियमों की शत प्रतिशत अनुपालना नहीं कर रहे हैं तो इनकी EC व CTO,CTE को रद्द कर इनकी लीज निरस्त की जाये।

उपरोक्त मसेनरी स्टोन की खनन लीजो व स्टोन क्रेशर में से किसी ने भी ऑनलाइन क्वालिटी मोनिटरिंग सिस्टम नहीं लगा रखा है जबकि प्रत्येक की EC व CTO में 3 वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली यंत्र लगाने का नियम है, कई EC के नियमों का उल्लंघन है ML No. 35/2014,248/2009 में तो ग्राउंड बाटर तक आ चुका है फिर भी इनके द्वारा खनन कार्य अतवरत जारी है इनके पास CGWA की परमिशन है या नहीं इसकी जांच होनी चाहिए कृपया सभी की जांच कर जनसुनवाई वाले दिन जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

ग्राम पंचायत तंवरा के ग्रामवासियों की तरफ से निवेदन है की जो भी विभाग EC व CTO,CTE जारी करते है वो अब ग्राम पंचायत तंवरा में नये EC व CTO,CTE जारी न करें क्योंकि हमारे ग्राम पंचायत में पर्यावरण प्रदूषण का स्तर इतना बढ़ चुका है कि आमजन का जीना मुश्किल हो गया है सरकार अपने राजस्व को बढ़ाने के लिए स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रही है जो एक आम नागरिक के मालिकाना अधिकारों का हनन है, स्वस्थ हवा हर आम नागरिक का जीने के लिए जरूरी है जो अब ग्राम पंचायत तंवरा में दूषित हो चुकी है, स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य व कृषि भूमि पर पड़ रहे बुरे असर को देखते हुए ग्राम पंचायत तंवरा में अब नई EC व CTO जारी करने पर पूरी तरह से रोक लगा देनी चाहिए।

क्या ये नियम कहीं लिखित में है कि पेड़ लगाने की जगह के वन विभाग से पैसे की पर्ची कटवा सकते है अगर है तो कहाँ है हमें दिखाए, क्योंकि प्रदूषण के कारण बीमारियां ग्राम पंचायत तंवरा में बढ़ रही है और दवाई कहीं और जगह के लोगों को दी जा रही है ये तर्कहीन तथ्य है और ग्राम पंचायत तंवरा के लोगों के साथ नाइंसाफी है।

तहसीलदार लाडनूं वे अभी तक खनिज विभाग को वो पटवारी रिपोर्ट क्यों नहीं भेजी जिसमें गोचर में खनन होना पाया गया है, राजस्व विभाग ने खनिज विभाग से गोचर में खनन करने के वैध दस्तावेज मांगने के लिए अभी तक कोई पत्र क्यों नहीं लिखा।

सभी क्रेशर और खाने EC व CTO,CTE नियमों के अंतर्गत क्यों नहीं चल रही है, इस भ्रष्टाचार में शामिल अधिकारियों की जांच होनी चाहियें।

EC व CTO,CTE के नियमों का पालन ग्राम पंचायत तंवरा में हो रहा है या नहीं इसका भौतिक सत्यापन आज दिनांक 19/03/2025 की सुनवाई वाले दिन ग्रामवासियों के सामने किया जाये ताकि सच्चाई सबके सामने आये, और जो नियमों का पालन नहीं कर रहे है उनके EC व CTO,CTE प्रमाण पत्र निरस्त किये जाये।

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल
नागौर (राजस्थान)

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट
डीडवाना-कुचामन

अतः श्रीमान जी से निवेदन है कि मामले की गम्भीरता को देखते हुए आप सभी जनसुनवाई अधिकारीगण सनिष्पक्ष जांच करवाये और इस शिकायत में लिखे हुए सभी बिन्दुओं की बिन्दुवार जांच रिपोर्ट अनिवार्य रूप से ग्रामवासियों के सामने प्रस्तुत की जाये तयुकी क्षेत्रीय कार्यालय नागौर में पर्यावरण प्रदूषण की बार-बार शिकायत देने के बावजूद आज दिनांक तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है और गैरार्थ तिरुपति स्टोन सप्लायर्स के E.C. के आवेदन को गिरस्त कर हम ग्राम वासियों को पर्यावरण प्रदूषण से होने वाली बिमारियों से निजात दिलाएं और एक आम नागरिक के स्वरण हवा व पानी के मौलिक अधिकारों की रक्षा करें। (लिखित आपत्ति की प्रति अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, महोदय को प्रेषित की गई जो कि परिशिष्ट "स" पर संलग्न है।)

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट महोदय ने कहा कि ग्रामवासी तो पहले ही कह रहे हैं कि माईन्स लगाओ परन्तु कायदे-कानून की पालना होगी चाहिए।

श्री सुरेन्द्र करवां निवासी लोड़रार ने कहा कि ग्रामवासियों की जो भी शिकायतें हैं, ब्लॉस्टिंग, पानी का छिड़काव आदि तो महोदय माईनिंग विभाग द्वारा बताये गये नियमों के तहत ही ब्लॉस्टिंग किया जाता है तथा नियमित रूप से सड़कों पर पानी का छिड़काव भी किया जाता है, तथा क्रेशर को भी पर्यावरणीय सुरक्षा के तहत चारों तरफ से कवर किया जाता है।

क्षेत्रीय अधिकारी महोदय ने पुनः प्रस्तावित खनन इकाई के सम्बन्ध में पर्यावरणीय सुझाव/आपत्ति हेतु ग्रामीणों को आमंत्रित किया।

श्री मेघराज तंवर निवासी तंवरा ने कहा यदि क्लरटर लगता है तो कोई आपत्ति नहीं है, परन्तु इसके द्वारा दिशा-निर्देशों की अनुपालना जरूर होगी चाहिए।

श्री सुरजीत धुंधवाल निवासी लोड़रार ने कहा जैसा की ग्रामीणों ने बताया ब्लॉस्टिंग तो ग्राम तंवरा में नियमानुसार ही ब्लॉस्टिंग की जाती है, दोपहर 1 से 2 बजे के मध्य, अन्यथा फाईन लगता है। तथा दिन में 2 बार सुबह एवं शाम को नियमित पानी का छिड़काव भी किया जाता है। यहां लेबर 100 में से 95 तंवरा गांव से ही है। साल में 2 बार मेडिकल कैम्प भी लगाये जाते हैं, लेटेस्ट कैम्प नवदीप मेडिकल स्टोर पर लगाया था, जिसकी रिपोर्ट देख सकते हैं। समस्त ग्रामवासी फ्री चैकअप करवा सकते हैं। पौधारोपण के सम्बन्ध में 08.10.2023 को राजस्थान पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड से नोटिस जारी हुआ था, जिसके तहत निर्धारित राशि वन विभाग में जमा करवा कर खनन इकाई पौधारोपण से मुक्त है, इसके बावजूद भी हमारे द्वारा यहां पर भी पौधारोपण किया गया है। अगर पंचायत सहयोग करें एवं जमीन उपलब्ध करवाई जावे तो यहां और भी पौधे लगाये जायेंगे।

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट महोदय ने कहा कि इस परियोजना प्रस्ताव के तहत बताया गया है कि इसकी कुछ सामाजिक जिम्मेदारियां हैं, जैसे:- सामुदायिक शिक्षा

4

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट
डी.डवाना-कुचामन

सुविधा— 80 हजार प्रति वर्ष, सामुदायिक स्वास्थ्य सुधार—30 हजार प्रति वर्ष, सामुदायिक कल्याण गतिविधियां: पौधारोपण, पूजा स्थल विकास, बीज-पौधों का वितरण, सरकारी योजना को प्रोत्साहन एवं अन्य हेडपम्प, बोरवेल की स्थापना, सामुदायिक जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन हेतु जागरूकता कार्यक्रम, प्रचार-प्रसार, सामुदायिक कौशल निर्माण सिलाई, कढ़ाई आदि।

पर्यावरणीय सलाहकार पूजा एवं शिवदयाल गोदारा द्वारा बताया गया कि सामुदायिक कौशल विकास के तहत अकुशल महिलाओं को ट्रेनिंग के माध्यम से कौशल रोजगार प्रदान किया जाता है, जिससे वह आत्मनिर्भर व कुशल बने। इस कार्य हेतु इस लिज द्वारा प्रति वर्ष 2 लाख रुपये एवं क्लस्टर द्वारा प्रति वर्ष 6 लाख रुपये व्यय किये जायेंगे।

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट महोदय ने कहा कि जागरूक लोगों द्वारा अपनी पंचायत, गांव, क्षेत्र में माईन्सों द्वारा सामुहिक रूप से बहुत विकास जैसे: शिक्षा, सड़क, पौधारोपण, खेल, क्षेत्र विकास, रोजगार जैसे कार्य करवा लिये जाते हैं।

श्री मेघराज तंवर निवासी तंवरा ने कहा कि यहां एक डायलॉग बना हुआ है, क्रेशर एवं माईन्स वालों द्वारा कि किसी के जापा भी होता है तो हमारे से मांगने आ जाते हैं, क्या उम्मीद कर सकते हैं इनसे?

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट महोदय ने कहा कि ये इनका आपस का मामला है, ये तो ~~मामला~~ है, जो इसके यहां लेबर काम करती है, उनके सुख-दुख में शामिल होते हैं, लेन-देन है, ये इनका ~~मामला~~ है। आज सामुहिक रूप से होने वाले कार्यों की बात होनी चाहिए।

श्री मेघराज तंवर निवासी तंवरा ने कहा कि इस क्षेत्र में पिछले 35-40 वर्षों से माईनिंग हो रही है, परन्तु आज तक ग्राम पंचायत तंवरा में 1 रु भी डीएमएफटी (DMFT) फण्ड का अलोट नहीं हुआ है।

श्री सुरजीत धुंधवाल निवासी लोड़सर ने कहा कि डीएमएफटी(DMFT) फण्ड घर बैठे नहीं मिलता, पिछले साल 1 करोड़ रुपये आये, यहीं जनसेवक उल्टी कोशिश कर रहे थे, कि ये काम इनसे न हो। इसके लिए भी तो कलेक्टर, एसडीएम आदि के पास जाना पड़ता है, घर बैठे तो कुछ नहीं मिलता। हम सहयोग करेंगे, साथ में चलेंगे आपके।

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट महोदय ने श्री सुरजीत धुंधवाल से कहा कि आप ग्रामीणों को ऐसे नहीं कह सकते कि घर बैठे नहीं मिलेगा। हम मानते हैं कोशिश करनी पड़ता है, परन्तु आप इस तरह से इन्हें नहीं बोल सकते।


लेडीय अफिसरी
सामुदायिक कल्याण निबंधन मण्डल
नवीर (राजस्थान)

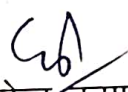

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट
डीडवाना-कुवामन

श्री हरसुख निवासी तंवरा ने कहा कि यहां हाईवे के उपर कंकड़-पत्थर पड़ी है, जिसकी वजह से दुर्घटनाएँ होती है।

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट महोदय ने कहा कि यह इससे सम्बन्धित बात नहीं है। मैं आपकी जानकारी के लिए बता दूँ कि कलेक्टर साहब द्वारा निर्देशित किया जाता है, पर्यावरण विभाग व पुलिस को, ओवरलोड वाहन और गिट्टी से मोटरसाईकिल वाले स्लीप होते है, उन सब के लिए अलग से मॉनिटरिंग होती है।

क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा उपस्थित जन-मानस से प्रस्तावित खनन परियोजना के सम्बन्ध में अपने आक्षेप/सुझाव/आपत्ति प्रस्तुत करने हेतु पुनः निवेदन किया गया। अन्त में ग्रामवासियों द्वारा अन्य कोई आपत्ति/आपेक्ष प्रस्तुत नहीं किये जाने पर अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट महोदय की अनुमति से क्षेत्रीय अधिकारी ने जनसुनवाई के समापन की घोषणा की एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट महोदय तथा उपस्थित जन समुदाय का जन सुनवाई में आने के लिए आभार प्रकट किया। यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि जनसुनवाई के दौरान कुछ ग्रामवासियों ने प्रस्तावित परियोजना का विरोध व्यक्त किया एवं लिखित में भी आपत्ति प्रेषित की, जिसकी प्रति संलग्न है।


श्री राजकुमार मीणा,
क्षेत्रीय अधिकारी,
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल,
नागौर


श्री महेन्द्र कुमार मीणा,
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट,
झुंडवाना-कुचामन
(मु.) झुंडवाना-कुचामन

उपस्थिति पंजिका

चेजा पत्थर एवं मुरम (अप्रधान खनिज) खनन क्लस्टर परियोजना की पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आयोजित जनसुनवाई में आप सभी का हार्दिक स्वागत है।

प्रस्तावित चेजा पत्थर एवं मुरम (अप्रधान खनिज) खनन क्लस्टर परियोजना, आवेदक मैसर्स तिरुपति स्टोन सप्लायर्स, Ref. No. 202310000100580, Khasra No. 821/49 & 656/45, प्रस्तावित क्षेत्र 1.0561 हेक्टेयर, प्रस्तावित खनन क्षमता 3,08,916 TPA (ROM) (चिट्ठी योग्य खनिज- 2,15,654.4 TPA, मुरम- 65,370 TPA और अपशिष्ट- 30,891.6 TPA) जो कि क्लस्टर (Ref. No. 202310000100580, M.L. No.- 35/2014, 248/2009, 13/2020, 59/2019), कुल क्लस्टर क्षेत्र- 6.0194 हेक्टेयर, अनुमानित क्लस्टर खनन उत्पादन क्षमता 8,24,156 TPA(ROM), गांव-तंवरा, तहसील-लाडनूं, जिला-डीडवाना-कुचामन।

स्थान:- सभागार अटल सेवा केन्द्र, ग्राम पंचायत-तंवरा, तहसील- लाडनूं, जिला डीडवाना-कुचामन

दिनांक: 19.03.2025,

समय: दोपहर 12:00 बजे

क्र.म.	नाम	पता	हस्ताक्षर
1.	Mahendra Kumar Meelu	ATM, Bidwane Kuchaman	
2.	Anant Gaur	NDR, LADNU	
3.	Rajkumar Meena	R.O. - RSCLB, Nagaur	
4.	Hemant Kumar	JEE, RSCLB RD Nagaur	
5.	Tijar Singh	JEE, RSCLB, Nagaur	
6.	Shivdayal Lodhar	Libsant techo Lab/NIH	
7.	Sarvesh Kauran (lessee)	Dhakawali	
8.	Arun Keshari (lessee)	Lodshari	
9.	M.K. Tomwar	Tanwar	
10.	एजादीराज	तवर	
11.	सखनात जल प्रकाश	तवर	
12.	सुनील रज	तवर	
13.	राधा प्रकाश	॥	
14.	गर्वर	॥	
15.	भूषण	तवर	
16.	रघुवीर सिंह	तवर	
17.	नारायण	तवर	
18.	मोहन	तवर	
19.	जगदीश	तवर	

उपस्थिति पंजिका

चेजा पत्थर एवं मुरम (अप्रधान खनिज) खनन क्लस्टर परियोजना की पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आयोजित जनसुनवाई में आप सभी का हार्दिक स्वागत है।

प्रस्तावित चेजा पत्थर एवं मुरम (अप्रधान खनिज) खनन क्लस्टर परियोजना, आवेदक मैसर्स तिरुपति स्टोन सप्लायर्स, Ref. No. 202310000100580, Khasra No. 821/49 & 656/45, प्रस्तावित क्षेत्र 1.0561 हेक्टेयर, प्रस्तावित खनन क्षमता 3,08,916 TPA (ROM) (विक्री योग्य खनिज- 2,15,654.4 TPA, मुरम- 65,370 TPA और अपशिष्ट- 30,891.6 TPA) जो कि क्लस्टर (Ref. No. 202310000100580, M.L. No.- 35/2014, 248/2009, 13/2020, 59/2019), कुल क्लस्टर क्षेत्र- 6.0194 हेक्टेयर, अनुमानित क्लस्टर खनन उत्पादन क्षमता 8,24,156 TPA(ROM), गांव-तंवरा, तहसील-लाडनूं, जिला-डीडवाना-कुचामन।

स्थान:- सभागार अटल सेवा केन्द्र, ग्राम पंचायत-तंवरा, तहसील- लाडनूं, जिला डीडवाना-कुचामन

दिनांक: 19.03.2025,

समय: दोपहर 12:00 बजे

क्र.म.	नाम	पता	हस्ताक्षर
20.	मागीरध कर्वा	तंवरा	मागीरध
21.	दीशम शर्मा	तंवरा	दीशम शर्मा
22.	हंसवर्मा	सुजावर	हंसवर्मा
23.	भवानी सिंह	वास	भवानी सिंह
24.	बजरंग सिंह	बिलारी	बजरंग सिंह
25.	चमन देवा	मालासी	चमन देवा
26.	मुकेश देवा	मालासी	मुकेश देवा
27.	महल कर्वा	ठाकुरवाली	महल कर्वा
28.	कुलदीप गौड़ारा	ठाकुरवाली	कुलदीप
29.	सजय	ठाकुरवाली	सजय
30.	मागीरध	ठाकुरवाली	मागीरध
31.	मैरू सिंह	सितसर	मैरू सिंह
32.	कुलदीप	सितसर	कुलदीप
33.	शिवकाश	सुजावर	Shiv
34.	विमल	सुजावर	विमल
35.	भगवतलाल	सालासर	भगवतलाल
36.	दीपेन्द्र	सालासर	दीपेन्द्र
37.	दशरथ सिंह	सुजावर	दशरथ
38.	राजेश कुमार	वाधसर	राजेश

उपस्थिति पंजिका

चेजा पत्थर एवं मुरम (अप्रधान खनिज) खनन क्लस्टर परियोजना की पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आयोजित जनसुनवाई में आप सभी का हार्दिक स्वागत है।

प्रस्तावित चेजा पत्थर एवं मुरम (अप्रधान खनिज) खनन क्लस्टर परियोजना, आवेदक मैसर्स तिरुपति स्टोन सप्लायर्स, Ref. No. 202310000100580, Khasra No. 821/49 & 656/45, प्रस्तावित क्षेत्र 1.0561 हेक्टेयर, प्रस्तावित खनन क्षमता 3,08,916 TPA (ROM) {वित्री योग्य खनिज- 2,15,654.4 TPA, मुरम- 65,370 TPA और अपशिष्ट- 30,891.6 TPA} जो कि कलक्टर (Ref. No. 202310000100580, M.L. No.- 35/2014, 248/2009, 13/2020, 59/2019), कुल क्लस्टर क्षेत्र- 6.0194 हेक्टेयर, अनुमानित कलस्टर खनन उत्पादन क्षमता 8,24,156 TPA(ROM), गांव-तंवरा, तहसील-लाडनुं, जिला-डीडवाना-कुचामन।

स्थान:- सभागार अटल सेवा केन्द्र, ग्राम पंचायत-तंवरा, तहसील- लाङ्गू, जिला डीडवाना-कुचामन

दिनांक: 19.03.2025,

समय: दोपहर 12:00 बजे

[illegible]

सेवामे

श्रीमान जनसुनवाई

अधिकारीमण

सभागार अटल सेवा केंद्र, ग्राम पंचायत तंवरा, तहसील-लाडनूँ, जिला - डीडवाना-कुचामन

विषय: "मेसनरी स्टोन एवं मूर्म खनन क्लस्टर परियोजना (लघु खनिज) के लिए पर्यावरणीय मंजूरी के लिए जन सुनवाई, (सदर संख्या 202310000100580, एम.एल.सं.-35/2014,248/2009,13/2020,59/2020), कुल क्लस्टर क्षेत्र-6.019 हेक्टेयर मेसनरी स्टोन एवं मूर्म खनन परियोजना मेसर्स तिरुपति स्टोन सप्लायर्स द्वारा आवेदित, सदर संख्या 202310000100580, खसरा संख्या-821/49, 656/45 ग्राम तंवरा के पास, तहसील लाडनूँ, जिला- डीडवाना कुचामन खान पट्टा क्षेत्र 1.0561 हेक्टेयर, प्रस्तावित उत्पादन क्षमता- 3,08,916 टीपीए (आरओएम) (बिद्री योग्य मेसनरी स्टोन- 2,15,654.4 TPA. मूर्म-62,370 टीपीए और अपशिष्ट 30,891.6टीपीए)" के सम्बंध में शिकायत पत्र।

महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत ग्राम पंचायत तंवरा तहसील लाडनूँ जिला डीडवाना कुचामन की ओर से संविनय अनुरोध है कि:

1. ग्राम पंचायत तंवरा में पिछले 35 वर्षों से खनन कार्य अनवरत जारी है जिसके कारण ग्राम पंचायत तंवरा के पर्यावरण व वातावरण में अत्यधिक बदलाव आ गया है, और पर्यावरण बहुत प्रदूषित रहने लगा है तंवरा के चारों तरफ केशर व खनन कार्य संचालित होने के कारण हवा में पुरे दिन डस्ट उड़ती रहती है, जिससे पंचायत में हवा में डस्ट उड़ती रहती है परिणामस्वरूप ग्राम में सिलिकोसिस, टी.वी., अस्थमा, एलर्जी व श्वास सम्बन्धित कई तरह की बीमारियाँ होने लगी है अब ग्रामवासियों का दूषित हवा के कारण जीना मुश्किल हो रहा है।
2. मेसर्स तिरुपति स्टोन सप्लायर्स के मालिक अरुण कस्वां के स्वयं व परिवार के ग्राम पंचायत तंवरा में पहले से 4 मेसनरी स्टोन की खाने M.L. NO. 35/2014,248/2009,20/2022,208/2009 व दो स्टोन केशर मेसर्स कस्वा स्टोन केशर खसरा नम्बर 876/868, श्री बालाजी स्टोन क्राशिंग इंडस्ट्रीज खसरा नम्बर 645/39,646/39 संचालित है जहाँ पर CTO,CTE व E.C. के सभी नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है कृपया इनको नई E.C. जारी करने से पूर्व इनकी उपरोक्त पुरानी इकाइयों को जिन नियमों के तहत EC,CTO व CTE जारी किया गया था उन नियमों की शत प्रतिशत पालना हो रही है या नहीं इसकी जाँच करके जन सुनवाई वाले दिन या उस से पहले ग्राम पंचायत कार्यालय व ग्रामवासियों के सामने अनिवार्य रूप से प्रस्तुत की जाये, अन्यथा इनके EC के प्रस्ताव को नामंजूर किया जाये।
3. उपरोक्त इकाइयों में ना तो 33 प्रतिशत एरिया में ग्रीन बेल्ट विकसित किया है जबकि इनको खनन करते हुए 10 वर्षों से अधिक हो गये है, और ना ही पेड़ लगाये हैं ना पक्की सड़क बनाई हुई है, लेबर के लिए कोई प्राथमिक उपचार की व्यवस्था नहीं है, ना रेस्ट रूम बनाये गये है, ना पीने के पानी उचित व्यवस्था है, ना सेफ्टी के लिए उपकरण दिए गये है, ना अपने खनिज पट्टे के बाहर सूचना पट्ट लगा रखा है, ना सीमांकन के लिए चारों तरफ पिल्लर बना रखे है. ना सुरक्षा के लिए उचित दिवार बना रखी है, ना वाटर स्पार्कलिंग सिस्टम लगा रखा है, और ना विड वाल बना रखी है. जब तक ये सभी निगम ने पूरे नहीं करते तब तक इनको नई EC जारी ना की जाए।
4. ग्राम पंचायत तंवरा में जो 6.019 हेक्टेयर का क्लस्टर बनाया गया है उसके अंतर्गत आने वाली खनन लीजें M.L. NO.35/2014,248/2009,13/2020,59/2020 सभी EC व CTO के नियमों व शर्तों का उल्लंघन कर रहे है. इनको जिन नियमों के तहत EC व CTO जारी किये गये थे क्या ये सभी इन नियमों की शत प्रतिशत अनुपालना कर रहे है उसकी जाँच कर जनसुनवाई वाले दिन या उस से पहले ग्राम पंचायत कार्यालय व ग्रामवासियों के समक्ष अनिवार्य रूप से प्रस्तुत की जाये, अगर ये नियमों की शत प्रतिशत अनुपालना नहीं कर रहे है तो इनकी EC व CTO,CTE को रद्द कर इनकी खनन लीज निरस्त की जाये।
5. उपरोक्त मेसनरी स्टोन की खनन लीजें व स्टोन केशरों में से किसी ने भी ऑनलाइन एयर क्वालिटी मोनिटरिंग सिस्टम नहीं लगा रखा है जबकि प्रत्येक की EC व CTO में 3 वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली यंत्र लगाने का नियम है, जो कई EC के नियमों का उल्लंघन है.ML NO. 35/2014,248/2009 में तो ग्राउंड वाटर तक आ चुका है फिर भी इनके द्वारा खनन कार्य अवरत जारी है इनके पास CGWA की परमिशन है या नहीं इसकी जाँच होनी चाहिए कृपया सभी की जाँच कर जनसुनवाई वाले दिन जाँच रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

6. ग्राम पंचायत तंत्रा के ग्रामवासियों की तरफ से निवेदन है की जो भी विभाग EC व CTO, CTE जारी करते है वो अब ग्राम पंचायत तंत्रा में नये EC व CTO, CTE जारी ना करे, क्यूंकि हमारे ग्राम पंचायत में पर्यावरण प्रदूषण का स्तर इतना बढ़ चुका है कि आमजन का जीना मुश्किल हो गया है, सरकार अपने राजस्व को बढ़ाने के लिए स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रही है जो एक आम नागरिक के मूलिक अधिकारों का हनन है, स्वस्थ हवा हर आम नागरिक को जीने के लिए जरूरी है जो अब ग्राम पंचायत तंत्रा में दूषित हो चुकी है, स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य व कृषि भूमि पर पड़ रहे बुरे असर को देखते हुए ग्राम पंचायत तंत्रा में अब नई EC व CTO जारी करने पर पूरी तरह से रोक लगा देनी चाहिए।
7. क्या ये नियम कहीं लिखित में है कि पेड़ लगाने की जगह वो वन विभाग से पैसे की परी कटवा सकते हैं अगर है तो कहा है हमें दिखाए, क्योंकि प्रदूषण ग्राम पंचायत तंत्रा में हो रहा है और पेड़ लगाने के लिए वन विभाग से परी कटवा लेना ये कहीं तक उचित है, प्रदूषण के कारण बीमारियां ग्राम पंचायत तंत्रा में बढ़ रही है और दवाई कहीं और जगह के लोगों को दी जा रही है ये तर्कहीन तथ्य है और ग्राम पंचायत तंत्रा के लोगों के साथ नाइराफी है।
8. तहसीलदार लाडनू ने अभी तक खनिज विभाग को वो पटवारी रिपोर्ट क्यों नहीं भेजी जिसमें गोबर में खनन होना पाया गया है, राजस्व विभाग ने खनिज विभाग से गोबर में खनन करने के वेध दस्तावेज मांगने के लिए अभी तक कोई पत्र क्यों नहीं लिखा।
9. सभी केशर और खाने E.C., CTO व CTE नियमों के अंतर्गत क्यों नहीं चल रही है, इस भ्रष्टाचार में शामिल अधिकारियों की जाँच होनी चाहिये।
10. E.C., CTO व CTE के नियमों का पालन ग्राम पंचायत तंत्रा में हो रहा है या नहीं इसका भौतिक सत्यापन आज दिनांक 19/03/2025 को जनसुनवाई वाले दिन ग्रामवासियों के सामने किया जाये ताकि सच्चाई सबके सामने आये, और जो नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं उनके E.C., CTO व CTE प्रमाण पत्र निरस्त किये जाये।

अतः श्रीमान जी से निवेदन है की मामले की गम्भीरता को देखते हुये आप सभी जनसुनवाई अधिकारीगण सनिष्पक्ष जाँच करवाये, और इस शिकायत में लिखे हुए सभी बिन्दुओं की बिन्दुवार जाँच रिपोर्ट अनिवार्य रूप से ग्रामवासियों के सामने प्रस्तुत की जाये, क्यूंकी क्षेत्रीय कार्यालय नागौर में पर्यावरण प्रदूषण की बार-बार शिकायत देने के बावजूद आज दिनांक तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है, और मेसर्स तिरुपति स्टोन सप्लायर्स के E.C. के आवेदन को निरस्त कर हम ग्रामवासियों को पर्यावरण प्रदूषण से होने वाली बिमारियों से निजात दिलाएं, और एक आम नागरिक के स्वस्थ हवा व स्वस्थ पानी के मौलिक अधिकारों की रक्षा करें।

"सधन्यवाद"

प्रार्थी

ग्राम पंचायत तंत्रा व समस्त
ग्रामवासी ग्राम तंत्रा

अनिश शर्मा
सोहन पाल
जय प्रकाश
बेनीश शर्मा
सिद्धेश्वर
मदन राम शर्मा
नाहराम
गोपा लाल
पांडु सिंह

मगवानाराम

मूल सिंह
मोहन शर्मा 9828196008
बालनिवा क डूडी 9772736700
नाहराम
मोबिलि शर्मा 7349693041

गोविंद
सुखदेव

M. J. Jaiswal
962427701

सुखदेव
कुलदास सिंह
सुखदेव सिंह 9587160948
सुखदेव 21/03/2025

हजारी राम 8875514091
अमरपट्ट





